www.wbcsmadeeasy.in

2019

Candidates who will use Hindi passage in lieu of Bengali must ask for original question paper on English Essay, Précis Writing, Composition and Translation, if not already supplied to them.

Hindi passage for Translation into English.

Translate the following passage into English: (*any one*)

5. Translate *any one* of the following passages into English: 40

(a) कोलकाता आकर दिल्ली के एक युवक अरमान अली ने रेस्टोरेंट जाकर बिरयानी खाने की योजना बनायी। लेकिन रेस्टोरेंट में जाने से पहले विभिन्न तरह के प्रश्न उनके मन में उठने लगे; जैसे रेस्टोरेंट में ह्विल चेयर जाने का रास्ता है या नहीं? जो संदेह था, वही सच निकला। महानगर के कई नामी रेस्टोरेंटों में ह्विल चेयर जाने का रास्ता नहीं है। हमारे जैसे ही एक और विकलांग विभास दास ने पग-पग पर उत्पन्न होने वाली बाधाओं का जिक्र किया, वे भी युवक हैं। उनके दोनों पैर पोलियोग्रस्त हैं। पर समाज में जागरूकता की जो कमी है, उसकी वजह से इन युवकों की इच्छाशक्ति कमजोर नहीं पड़ी है। उन युवकों ने जीवन-संघर्ष के दौरान सैकड़ों बाधाओं का अतिक्रमण किया है। उन दोनों ने अमेरिकन सेंटर पर अपने – अपने जीवन-संघर्षों की कहानियां सुनायी। विभास ने कहा कि वे अपनी बैशाखी लेकर विश्वभर में घुमते हैं। विभास ने बताया कि पैरा ओलम्पिक में ह्विल चेयर की फेंसिंग में उन्हें सिलवर मेडल मिला था। उन्होंने उल्लेख किया – 'बैशाखी उनकी कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति है।' उन दोनों ने कहा कि वे समाज से करुणा की याचना नहीं करते हैं बल्कि वे चाहते हैं कि समाज की जागरुकता बढ़े।

(b) कॉलेज स्क्वायर के श्यामाचरण दे स्ट्रीट में देव लाइब्रेरी में अनेकानेक पुस्तकों रखी हुई हैं। विभिन्न लेखकों की किताबें इस दुकान की भिन्न-भिन्न जगहों पर रखी गयी हैं। लाइब्रेरी के इंचार्ज ने कहा – "अचानक प्रत्येक पढ़े-लिखे व्यक्ति विद्यासागर के प्रति आकृष्ट हो गये हैं। कुछ ही दिनों में कई लोग मेरी दुकान पर वर्णपरिचय खरीदने के लिए आये हैं। मैं यह नहीं जानता कि विद्यासागर की मूर्ति तोड़ने के चलते यह सब हो रहा है या नहीं। लेकिन यह सच है कि विद्यासागर नये सिरे से सामने आने लगे हैं।" कॉलेज-स्ट्रीट के किताब-हटके से यह खबर आने लगी है। इस समय कई प्रकाशकों ने वर्णपरिचय फिर से प्रकाशित करने का काम शुरू किया है। लेकिन पहले कॉपी राईट सिर्फ एक प्रकाशक के पास था। वह कॉपी राईट देव लाइब्रेरी के पास ही था। एक व्यक्ति, जिनकी उम्र लगभग सत्तर साल की थी, जो देव लाइब्रेरी समूह से जुड़े हुए थे जो धोती-कुर्ता पहनते है उन्होंने कहा – "उस दिन जब मैं घर जा रहा था, उससे पहले जुलूस कॉलेज स्ट्रीट से गुजर रहा था। घर जाकर मैंने टेलीविजन पर यह खबर देखी। यह देखकर मुझे खराब लगा कि विद्यासागर की मूर्ति तोड़ दी गयी; उसके बाद मैंने सोचा कि इसी अनुभूति ने लोगों को विद्यासागर के प्रति और जागरुक बना दिया है; नहीं तो; उन्हे कांच के बक्से में ही बंदकर दिया गया था। नये सिरे से विद्यासागर पर चर्चा शुरू हुई है, उसे और बढ़ाने का प्रयोजन है।"

For guidance of WBCS Prelims , Main Exam and Interview by WBCS Gr A Officers/ Toppers, WBCS Prelims and Main Mock Test (Classroom & Online), Optional Subjects, Studymaterials, Correspondence Course etc.Call WBCSMadeEasy™ at 9674493673 or mail us at mailus@wbcsmadeeasy.in